क्रॉसपैथी

प्रलिम्सि के लयि:

[होम्योपैथी](), [भारतीय चकित्सिा संघ](), [भारतीय चकित्सिा परषिद](), [भारत का सर्वोच्च न्यायालय](), [वशि्व स्वास्थ्य संगठन](), [ई-संजीवनी]()

मेन्स के लयि:

क्रॉसपैथी, स्वास्थ्य सेवा व्यवसायों का वनियिमन, ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच, चकित्सिा लापरवाही और उत्तरदायत्वि

[स्रोत: द हिंदू]()

चर्चा में क्यों?

महाराष्ट्र **FDA के नर्दिेश** (जसिमें फार्माकोलॉजी प्रमाण-पत्र वाले होम्योपैथकि चकित्सिकों को एलोपैथकि दवाइयाँ लखिने की अनुमतदिी गई है) से "क्रॉसपैथी" के बारे में चतिाएँ उत्पन्न हुई हैं।

- इस नर्णिय की **भारतीय चकित्सिा संघ (IMA)** ने आलोचना की है, जसिके द्वारा चेतावनी दी गई है कइिससे **"क्रॉसपैथी"** उत्पन्न हो सकती है और मरीजों को नुकसान हो सकता है।

क्रॉसपैथी क्या है?

- **क्रॉसपैथी: क्रॉसपैथी का तात्पर्य स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों द्वारा अपनी वशिेषज्ञता के मान्यता प्राप्त दायरे से बाहर दवा** लखिने या अभ्यास करने से है।
    - वशिेष रूप से, इसमें वैकल्पकि चकित्सिा प्रणालयिों **(जैसे आयुर्वेद, योग और प्राकृतकि चकित्सिा, यूनानी, सदि्ध और होम्योपैथी (आयुष))** के चकित्सिक शामलि होते हैं, जो आमतौर पर एलोपैथकि (आधुनकि) चकित्सिा के लयि आरक्षति उपचार नर्धिारति करते हैं।
- **चतिाएँ**: इस पद्धतकिी अक्सर आलोचना की जाती है, क्योंकइिससे **गलत नदिान, अनुचति उपचार और रोगी की सुरक्षा** को खतरा हो सकता है, क्योंकयिे चकित्सिक आधुनकि चकित्सिा की वधियिों एवं प्रथाओं में पूरी तरह से प्रशक्षिति नहीं होते हैं।
- **वनियिम और कानूनी मसिालें:**
    - **MCI आचार संहति 2002** : **भारतीय चकित्सिा परषिद (MCI) ने भारतीय चकित्सिा परषिद अधनियिम, 1956** के तहत **भारतीय चकित्सिा परषिद (व्यावसायकि आचरण, शषि्टाचार और नैतकिता) वनियिम, 2002** की स्थापना की, जो अयोग्य व्यक्तयिों को गर्भपात जैसी चकित्सिा प्रक्रयिाओं का संचालन करने या चकित्सिा क्षमता प्रमाण पत्र जारी करने से प्रतबिंधति करता है।
        - इसमें यह भी प्रावधान है कयिोग्य चकित्सिक चकित्सिा कार्यों के लयि गैर-योग्य कर्मयिों को नयिुक्त नहीं कर सकते।
    - **सर्वोच्च न्यायालय के नर्णिय**: वर्ष 1996 के एक ऐतहिासकि मामले, ***[illegible]* में, भारत के सर्वोच्च न्यायालय** ने एक होम्योपैथ को **एलोपैथकि दवाएँ लखिने में लापरवाही के लयि उत्तरदायी ठहराया,** जसिके कारण रोगी की मृत्यु हो गई।
        - न्यायालय ने फैसला दयिा कक्रॉस-ससि्टम प्रैक्टसि चकित्सिा लापरवाही का मामला है।
        - बाद के नर्णियों में इसे बरकरार रखा गया है, जसिमें कहा गया है क**क्रॉसपैथी केवल तभी स्वीकार्य है जब संबंधति राज्य सरकार द्वारा स्पष्ट रूप से अधकिृत** कयिा गया हो।

क्रॉसपैथी को बढ़ावा देने के क्या कारण हैं?

- **वशिेषज्ञों की कमी:** भारत की स्वास्थ्य गतशिीलता 2022-23 पर एक रपिोर्ट में ग्रामीण क्षेत्रों में[सामुदायकि स्वास्थ्य केंद्रों (CHC)]() **में वशिेषज्ञ डॉक्टरों की 80% कमी पर प्रकाश डाला गया है,** जहाँ केवल 4,413 वशिेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध हैं, जबक**ि21,964** की आवश्यकता है।
- **सरकार वशिेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में चकित्सिा पेशेवरों की कमी को दूर करने के लयि आयुष डॉक्टरों को बढ़ावा दे रही है।**

- **स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच का विस्तार:** जून 2022 तक, भारत में **13 लाख से अधिक** एलोपैथिक डॉक्टर और 5.5 लाख से अधिक आयुष चिकित्सक थे।
    - भारत का डॉक्टर-जनसंख्या अनुपात **1:836** है, जो [विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)](#) **के मानक 1:1000** से अधिक है, लेकिन अधिकांश डॉक्टर **शहरी क्षेत्रों में केंद्रित हैं, जिससे ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच** सीमित हो जाती है।
    - क्रॉसपैथी उन दूरदराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा की पहुँच में सुधार करती है जहाँ **एलोपैथिक डॉक्टरों की कमी है,** तथा यह ग्रामीण मरीजों के लिये किफायती विकल्प उपलब्ध कराती है जो विशेषज्ञों या शहरी सुविधाओं तक नहीं पहुँच पाते हैं।
    - **खराब कार्य परिस्थितियाँ और कम पारिश्रमिक MBBS** डॉक्टरों को ग्रामीण क्षेत्रों में नौकरी करने से प्रतिबंधित करते हैं।

भारत में क्रॉसपैथी के संबंध में क्या चिंताएँ हैं?

- **IMA की चिंताएँ:** IMA ने महाराष्ट्र FDA के नवीनतम निर्देश की आलोचना करते हुए तर्क दिया कि [राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (NMC) अधिनियम, 2019](#) आयुष डॉक्टरों को एलोपैथी का अभ्यास करने के लिये अधिकृत नहीं करता है।
    - महाराष्ट्र का निर्णय राष्ट्रीय नीतियों के विपरीत है, क्योंकि केंद्रीय होम्योपैथी परिषद भी होम्योपैथों को एलोपैथी पद्धति से उपचार करने की अनुमति नहीं देती है।
    - IMA का कहना है कि इस तरह की प्रथाएँ **मरीजों की सुरक्षा के लिये हानिकारक** होंगी तथा इससे लापरवाही या **कदाचार** की संभावना बढ़ सकती है।
    - IMA का तर्क है कि यह "क्रॉसपैथी" को बढ़ावा देता है, तथा चिकित्सा योग्यताओं और विशेषज्ञताओं की अखंडता को कमज़ोर करता है।
- **देखभाल की गुणवत्ता:** इससे स्वास्थ्य सेवा के मानक से समझौता होता है, क्योंकि आयुष चिकित्सकों के पास आधुनिक चिकित्सा में औपचारिक प्रशिक्षण का अभाव है।
- **अस्पताल की कार्यप्रणाली:** यह निर्देश आयुष डॉक्टरों को एलोपैथिक भूमिकाओं में नियुक्त करने को प्रोत्साहित करता है, जो चिकित्सा नैतिकता का उल्लंघन है और **बैचलर ऑफ मेडिसिन और बैचलर ऑफ सर्जरी (MBBS)** या आधुनिक चिकित्सा डॉक्टरों के लिये **रोज़गार के अवसरों को कम करने** में योगदान देता है।

भारतीय चिकित्सा संघ (IMA)

- वर्ष 1928 में स्थापित IMA भारत में डॉक्टरों के लिये सबसे बड़ा स्वैच्छिक संगठन है, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा में सुधार और चिकित्सा पेशे की गरिमा की रक्षा पर केंद्रित है।
- IMA का मुख्यालय **नई दिल्ली** में है, जो स्वास्थ्य नीतियों को आकार देने और राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के आयोजन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

आगे की राह

- **GP प्रणाली को मज़बूत करना:** वैकल्पिक चिकित्सा चिकित्सकों को एकीकृत करने के बजाय, ग्रामीण क्षेत्रों में **प्रोत्साहन और कार्य स्थितियों** में सुधार करके, वंचित क्षेत्रों में **MBBS डॉक्टरों को आकर्षित करने** पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिये।
    - **मध्य-स्तरीय स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिये विशेषज्ञ प्रशिक्षण अनिवार्य** करके भारत की जनरल प्रैक्टिस (GP) प्रणाली को मज़बूत करना।
- **आयुष और एलोपैथी का विनियमन: सरकार को आयुष चिकित्सकों के लिये एलोपैथिक डॉक्टरों के साथ काम करने हेतु एक विनियमित ढाँचा बनाना चाहिये, जिसमें उनकी भूमिका स्पष्ट रूप से परिभाषित हो।**
    - उन्हें **चिकित्सा नियामक निकायों** की देखरेख में एलोपैथिक दवाओं को सुरक्षित रूप से निर्धारित करने के लिये **आधुनिक चिकित्सा,** विशेषकर फार्माकोलॉजी **में अतिरिक्त प्रशिक्षण** प्राप्त करना होगा।
- **टेलीमेडिसिन को बढ़ावा देना:** [टेलीमेडिसिन](#) ([ई-संजीवनी](#)) **सुरक्षा से समझौता किये बिना प्रौद्योगिकी के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करके ग्रामीण रोगियों और शहरी विशेषज्ञों के बीच अंतर को कम कर सकती है।**

[illegible] [illegible] [illegible]:

प्रश्न: क्रॉसपैथी को परिभाषित कीजिये और रोगी सुरक्षा पर इसके प्रभाव की व्याख्या कीजिये। भारत में क्रॉस-सिस्टम चिकित्सा को नियंत्रित करने वाले कानूनी उदाहरणों और विनियमों पर चर्चा कीजिये।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

[illegible]

प्रश्न. भैषजिक कंपनियों के द्वारा आयुर्विज्ञान के पारंपरिक ज्ञान को पेटेंट कराने से भारत सरकार किस प्रकार रक्षा कर रही है? (2019) (2019)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/crosspathy